Title: Need to reduce excise duty imposed on marble- Laid.
14.58 hrs.

श्री शान्ति लाल चपलोत : मारबल व्यवसाय जो मुख्यतछ राजस्थान में होता है, उस पर बजट में एक्साईज डियूटी ३० रूपए प्रति वर्ग मीटर से बढ़ाकर ४० रूपए प्र ाति वर्ग मीटर कर दिया है । मारबल में राजस्थान में ८ लाख से ज्यादा श्रमिक, २ लाख से ज्यादा उधमी व व्यवसाय से जुड़े लोग होंगे जो करीब १० लाख हैं । राजस्थान में मारबल मुख्य रूप से उदयपुर, चित्तौड़, राजसमन्द, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, मकराना, नागौर, सिरोह, जालौर तथा जयपुर आदि जिलों में होता है । पिछले बजट में एक्साईज बढ़ाई गई, उससे उधोगों में से ८० प्रतिशत बंद हो गये । उदारीकरण से भी इस पर असर पड़ा । अब एक्साईज डियूटी एक वर्ग फीट पर, ४२० पैसे व राजस्थान सेल टैक्स २३० पैसे, कुल ७ रूपये प्रति फीट पड़ता है । व्यवसायिक जो श्रमिक भी हैं, वे १२ रूपए प्रति वर्ग फीट में पत्थर घिसाई, माल खरीद, बिजली मजदूरी के बाद बेचते हैं । उन्हें एक रूपये फीट भी मजदूरी नहीं मिल पाती है । एक्साईज बढ़ाने से इन सभी जिलों में हड़ताल कर व्यवसाय बंद पड़ा है । लाखों लोगों को भूखों मरने की नौबत आ रही है । जगह-जगह बंद व हड़तालें हो रही हैं ।

मेरा वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि वे भूतपूर्व मंत्री द्वारा बढ़ाई गई एक्साईज डियूटी (१९९७) एवं अभी की एक्साईज डियूटी को तुरन्त समाप्त कर राजस्थान के उधोगों को बचाने में योगदान दें ।